भाषा मानव जीवन के लिए अनुपम देन है। यह विचारों तथा भावनाओं को आदान-प्रदान का प्रमुख साधन है। ज्ञान एव्ं शिक्षाके सभी क्षेत्रों में भाषा मूल आधार है। यही कारण है की पाठ्यक्रम में भाषा के शिक्षणका स्थान महत्वपूर्ण होता है।

हिंदी संपर्क भाषा है। प्राय: सभी प्रदेशों में सुनी, बोली, पढ़ी लिखी और समझी जाती है। राष्ट्रभाषा के रूपमें हिंदी के अध्ययन-अध्यापन की अपेक्षाएँ और भी बढ़ जाती है।

पाठों का चयन करत समय सामाजिक मुल्यों को छात्रों में विकसित करने की दृष्टि से प्रत्येक रचना पर विचार किया गया है ताकि छात्रों में उत्तम संस्कार विकसित हों, उनका भावविश्व संपन्न हो, जीवन दृष्टि दुरगामी एवं ध्येयनिष्ठ बने, प्राचीन तथा अर्वाचीन साहित्यिक विधाओं का अध्ययन करते समय उनमें साहित्यके प्रति रूचि उत्पन्न हो तथा सृजन शीलता का विकास हो। इन्हीं उद्‌देशों को ध्यान मे रखा गया है। प्रयास यह रहा है की सभी पाठों का चयन करते समय वे मौलिक वैविध्यपूर्ण एवं सरल हों।

कोई भी पुस्तक परिपूर्ण नहीं होती, फिर भी पाठ्‌यपुस्तक को अधिकाधिक उपयुक्त बनाने की दृष्टि से प्रयास किया जाता है। मुद्रणपूर्व समीक्षा एक प्रयास है।